

विश्व व्यापार संगठन (WTO) 164 सदस्य देशों से बना एक अंतर सरकारी संगठन है जो राष्ट्रों के बीच व्यापार के वैश्विक नियमों से संबंधित है। विश्व व्यापार संगठन का मुख्य कार्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक व्यापार राष्ट्रों के बीच स्वतंत्र, व्यवस्थित और सुचारु रूप से हो। इस लेख में, हम विश्व व्यापार संगठन हिंदी में और भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका को समझेंगे।

इस लेख में आप जान सकेंगे कि विश्वा vyapar sangathan ki sthapna kab hui, विश्व व्यापार संगठन (WTO) क्या है, विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय किस देश में स्थित है, GATT ki sthapna, WTO और GATT में अंतर, विश्वा vyapar sangathan ki bhumika एवं अन्य प्रमुख जानकारी जो की BPSK और UPPSC परीक्षा में बेहद प्रमुख विषय है | इधर पे जानें World Trade Organization WTO in Hindi साथ में आप WTO स्टडी नोट्स PDF भी डाउनलोड कर सकते हैं जिसका लिंक आपको नीचे मिलेगा।

विश्व व्यापार संगठन | WTO In Hindi

विश्व व्यापार संगठन (WTO) एक अंतर सरकारी संगठन है जो भाग लेने वाले देशों के बीच व्यापार समझौतों पर बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करके उत्पादों, सेवाओं और बौद्धिक संपदा में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करता है। यह देशों के लिए विवाद समाधान मंच के रूप में कार्य करता है। विश्व व्यापार संगठन एक-सदस्य-संचालित 'संगठन है, जिसमें सभी सदस्य सरकारों के बीच सामान्य समझौते द्वारा किए गए निर्णय होते हैं, और यह वैश्विक या निकट-वैश्विक व्यापार कानूनों से संबंधित होता है।

- विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।
- डब्ल्यूटीओ डब्ल्यूबीजी, आईएमएफ आदि के विपरीत संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी नहीं है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के साथ मजबूत संबंध बनाए रखता है।
- वर्तमान में विश्व व्यापार संगठन में यूरोपीय संघ सहित 164 सदस्य देश हैं। इसके अतिरिक्त ईरान, इराक, भूटान, लीबिया के साथ 23 देशों को पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।

यह भी पढ़ें

[UPPSC Syllabus](#) [BPSK Syllabus](#)
[Secularism in Hindi](#) [Pratham Vishwa Yudh](#)
[UPPSC सिलेबस इन हिंदी](#) [BPSK सिलेबस इन हिंदी](#)

विश्व व्यापार संगठन (WTO) इतिहास

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को मारकेश समझौते के हिस्से के रूप में की गई थी। इसने 1948 में शुरू हुए टैरिफ एंड ट्रेड (GATT) पर सामान्य समझौते की जगह ली, और 15 अप्रैल 1994 को 124 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए। यह अर्थव्यवस्था के लिए दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय संगठन है।

विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना की पृष्ठभूमि को निम्न प्रकार से समझा सकते हैं:

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (International Trade Organization- ITO) को स्थापित करने में असफल होने के बाद 1947 ई. में प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता (General Agreement on Tariff and Trade- GATT) किया गया था।
- वर्ष 1947 में GATT पर हस्ताक्षर किये गये थे और इसे लागू वर्ष 1948 में किया गया था।
- GATT का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना था लेकिन यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने में अधिक सफल नहीं हो सका था।
- 1986 ई. के उरुग्वे (Uruguay) सम्मेलन में GATT को प्रतिस्थापित करने की चर्चा शुरू की गई थी। वर्ष 1994 में मारकेश संधि की गई थी।
- मारकेश संधि के तहत 1 जनवरी 1995 ई. को विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना की गई थी।

GATT और WTO में अंतर

प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) के पश्चात् विश्व व्यापार संगठन (WTO) का निर्माण किया गया था। GATT और WTO की कार्यप्रणाली में कुछ अंतर था। GATT और WTO के द्वारा निर्धारित किये गए कार्यों के अंतर को निम्न प्रकार से समझ सकते हैं -

GATT	WTO
GATT एक सामान्य समझौता है।	WTO एक संस्थागत ढांचा है।
GATT केवल वस्तुओं के व्यापार तक सीमित है।	WTO में वस्तु, सेवा, निवेश तथा बौद्धिक सम्पदा शामिल है।
GATT के निर्णय सदस्य देशों के लिए बाध्यकारी नहीं है।	WTO के निर्णय सदस्य देशों के लिए बाध्यकारी है।

विश्व व्यापार संगठन के प्रमुख कार्य - Vishwa Vyapar Sangathan Ke Mukhya Karya

विश्व व्यापार संगठन व्यापार को बढ़ावा देता ही है, इसके साथ ही यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विकास हेतु सभी सदस्य देशों को मंच भी प्रदान करता है। विश्व व्यापार संगठन के महत्वपूर्ण कार्यों को निम्नलिखित प्रकार से समझा जा सकता है:

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु नियमों को निर्धारित कर उसे लागू करना।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विस्तार हेतु सदस्य देशों को एक मंच प्रदान करना।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से सम्बंधित विवादों का समाधान करना और सदस्य देशों के बीच समझौते करवाना।
- वैश्विक आर्थिक नीति निर्माण में अधिक सामंजस्य भाव लाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) एवं विश्व बैंक से सहयोग करना।
- विश्व संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग करना WTO का मुख्य उद्देश्य है।

विश्व व्यापार संगठन के प्रभाव - WTO Ke Sakarthmak Prabhav

विश्व व्यापार संगठन के अनेक सकारात्मक कार्य हैं जो सम्पूर्ण विश्व के विकास और संसाधन का अनुकूलतम उपयोग हेतु प्रेरित करते हैं। हालाँकि ऐसे देश जो इसके सदस्य नहीं है वे कहीं न कहीं WTO के नियमों के विरोध भी बोल देते हैं। यहाँ हम WTO के कुछ बिंदु उल्लेखित कर रहे हैं जो इसके नकारात्मक और सकारात्मक कार्यों को उंगित करता है:

WTO के सकारात्मक प्रभाव	WTO के नकारात्मक प्रभाव
बेहतर कृषि तकनीक	
निर्यात में वृद्धि	सस्ते आयातित उत्पादों की बाढ़
भारतीय विदेशी मुद्रा में वृद्धि	सब्सिडी खंड (बॉक्स प्रणाली)
नई प्रौद्योगिकियों का परिचय	विकासशील देशों के लिए प्रतिफल व्यापार खंड
अर्थव्यवस्था में निवेश	टिक्स और इसके दुरुपयोग के तहत पेटेंट
व्यापार से आयात करने वाले देश के बाजार पर कब्जा करने की नीति	
बौद्धिक गुणों का संरक्षण	

विश्व व्यापार संगठन के सकारात्मक प्रभाव - Vishwa Vyapar Sangathan Ke Sakaratmak Prabhav

प्रत्येक देश किसी न किसी रूप में अन्य देशों पर निर्भर रहता ही है, चाहे वह आर्थिक और संसाधनों की आपूर्ति क्यों न हो। WTO एक ऐसा मंच है जो समूचे विश्व को एक सूत्र में बांध कर व्यापार सुगमता को बढ़ावा देता है। विश्व व्यापार संगठन के ऐसे अनेक सकारात्मक कार्य हैं जो प्रत्येक देश के विकास में सहायक हैं। यह कार्य निम्न प्रकार से हैं -

बेहतर कृषि तकनीक

भारत में कृषि की एक लंबी परंपरा है, जो दस हजार साल पुराना है। डब्ल्यूटीओ कृषि समझौता, जिसे "अंतर्राष्ट्रीय संधि" के रूप में भी जाना जाता है, उरुग्वे दौरे के दौरान हस्ताक्षरित प्रमुख समझौतों में से एक था, जिसमें कुल 123 देशों ने भाग लिया था। डब्ल्यूटीओ कानूनों का उद्देश्य मुक्त और उदार व्यापार को प्रोत्साहित करना है। इससे माल के साथ-साथ विचारों और प्रौद्योगिकियों का मुक्त प्रवाह हुआ। डब्ल्यूटीओ के प्रभावों के उदाहरण के रूप में बीटी जैसी तकनीकों को कहा जा सकता है।

निर्यात में बढ़ोतरी

परिणामस्वरूप, भारत की ग्रामीण आबादी की सामाजिक आर्थिक स्थितियों को सुधारने में डब्ल्यूटीओ नॉट्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डब्ल्यूटीओ कानून, सच में, भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव डालते हैं। व्यापार बाधाओं में कमी और घरेलू सब्सिडी अंतरराष्ट्रीय बाजार पर कृषि उत्पादों की कीमत बढ़ाती है, और भारत को कृषि निर्यात आय में वृद्धि होती है।

- माल निर्यात में वृद्धि: विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने टैरिफ और गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को कम करके विकसित देशों के निर्यात में वृद्धि की। भारत का माल निर्यात 1995 में 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2007 में 30.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। (अप्रैल 2021)
- सेवा निर्यात में वृद्धि: विश्व व्यापार संगठन (WTO) ने GATS (जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड इन सर्विस) की स्थापना की, जिससे भारत जैसे देशों को लाभ हुआ। भारत का सेवा निर्यात 1995 में 5 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2008-09 में 390 बिलियन हो गया, जो देश के कुल सेवा निर्यात का 45 प्रतिशत था।
- कपड़ा और वस्त्र: कपड़ा और परिधान एमएफए (मल्टी फाइबर अरेंजमेंट्स) का खात्मा कपड़ा और कपड़ों के निर्यात को बढ़ाने में भारत जैसे विकासशील देशों की सहायता करेगा।

भारतीय विदेशी मुद्रा में वृद्धि

भारतीय विदेशी मुद्रा ने 1995 में \$ 20 Bn को 2021 में \$ 590 B तक बढ़ा दिया। इसमें विदेशी मुद्रा भंडार, स्वर्ण भंडार, SDR, और रिजर्व ट्रेन्च स्थिति शामिल हैं।

अर्थव्यवस्था में निवेश

विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देश TRIMs समझौते के हिस्से के रूप में विदेशी निवेश पर सीमा को हटाने पर सहमत हुए हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, यूरो इक्विटी और पोर्टफोलियो निवेश सभी ने विकासशील देशों की मदद की है। 2020 में, भारत को शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में 50 बिलियन डॉलर प्राप्त हुए।

बौद्धिक गुणों का संरक्षण

TRIPS (बौद्धिक संपदा अधिकार) ने बौद्धिक गुणों को चोरी होने से बचाया है। भारतीय पारंपरिक अधिकार, आर्थिक विकास और प्रौद्योगिकियां अब सुरक्षित हैं।

विश्व व्यापार संगठन के नकारात्मक प्रभाव - Vishwa Vyapar Sangathan Ke Nakaratmak Prabhav

हालाँकि, इस विचार को व्यापक रूप से गलत समझा गया। निर्यातक देशों में अपने माल को आयात करने वाले देशों में डंप करना शुरू कर दिया, जिससे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं, खासकर भारत की कृषि के लिए एक गंभीर खतरा पैदा हो गया।

डब्ल्यूटीओ की स्थापना के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में नाटकीय बदलाव आया है। डब्ल्यूटीओ कृषि समझौते का भारतीय कृषि पर एक बड़ा प्रभाव पड़ा है, जिसे भारत ने कई अवसरों पर महसूस किया है। सीएएम (प्रतिस्पर्धी कृषि बाजार) गलत था। कुछ बड़े बहुराष्ट्रीय कंपनियों और व्यापारिक एजेंटों ने कृषि निर्यातों पर प्रभुत्व किया। सस्ते आयात अक्सर भारतीय बाजारों तक पहुंच गए हैं, कृषि उत्पादकों को एक उन्माद में भेज रहे हैं। वार्ता के दौरान खुलेपन की कमी के कारण, विश्व व्यापार संगठन की नीतियों के बाद के परिणाम अलोकतांत्रिक थे। भारत की खराब उत्पादकता के अन्य कारण भी हैं। चावल उद्योग को छोड़कर, भारत वैश्विक बाजार में एक मामूली खिलाड़ी है।

TRIP (बौद्धिक संपदा से संबंधित व्यापार पहलू)

विश्व व्यापार संगठन की मुख्य धिता बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा रही है। विश्व व्यापार संगठन के सदस्य के रूप में भारत को TRIPs मानकों का पालन करना आवश्यक है। दूसरी ओर, TRIPs समझौता, निम्नलिखित तरीके से 1970 के भारतीय पेटेंट अधिनियम का विरोध करता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र

रसायन और दवाओं को केवल भारतीय पेटेंट अधिनियम 1970 के तहत प्रक्रिया पेटेंट दिया जाता है। परिणामस्वरूप, यदि किसी निगम के पास उत्पाद पेटेंट है, तो वह कानूनी रूप से उत्पादन कर सकता है। नतीजतन, भारतीय दवा कंपनियां कम लागत, उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं प्रदान कर सकती थीं।

हालाँकि, TRIPs सौदे के तहत, उत्पाद पेटेंट जारी किए जाएंगे, दवाओं की कीमत बढ़ेगी और उन्हें गरीबों की पहुंच से बाहर रखा जाएगा। सौभाग्य से, भारत में बनी अधिकांश दवाएं पेटेंट के अधीन नहीं हैं, इसलिए वे कम प्रभावित होंगे।

GATS (जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड इन सर्विस) समझौता

जीपीएस समझौते से विकासशील देशों को भी अधिक लाभ होगा। परिणामस्वरूप, भारत के तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्र को अब बहुराष्ट्रीय निगमों के साथ संघर्ष करना होगा। इसके अलावा, चूंकि विदेशी कंपनियों को अपनी मूल कंपनी की कमाई, लाभांश और रॉयल्टी की छूट दी जाती है, इसलिए भारत को विदेशी मुद्रा बोनस का सामना करना पड़ेगा।

व्यापार और गैर-टैरिफ बाधाओं (सैनेटरी और फाईटोसैनेटरी मेजर्स) में कमी

व्यापार और गैर-टैरिफ बाधाओं में कमी ने कई विकासशील देशों के निर्यात को नुकसान पहुंचाया है। गैर-टैरिफ बाधाओं ने कई भारतीय सामानों को प्रभावित किया है। कपड़ा, समुद्री उत्पाद, फूलों की खेती, औषधीय बासमती चावल, कालीन, चमड़े का सामान, इत्यादि के निर्यात पर बुरा प्रभाव पड़ा है।

Related Links

- [इंडियन फॉरेन पालिसी](#)
- [राज्य के निति निर्देशक तत्त्व](#)
- [अंतर्राष्ट्रीय संगठन और उनके मुख्यालय](#)
- [सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया](#)